

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में आवास की कीमतों में सकारात्मक वृद्धि:

रा.आ.बैंक

- ❖ सभी 8 प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।
- ❖ वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के दौरान 48 शहरों ने सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।
- ❖ मूल्यांकन के आधार पर 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 7.5% की वृद्धि दर्ज की।

राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा जारी नवीनतम आवास मूल्य सूचकांक (एनएचबी रेजीडेक्स) वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के दौरान 48 शहरों में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि को दर्शाता है।

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों के आकलन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के दौरान 7.5% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 5.1% थी।

भारत के आठ प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में जनवरी-मार्च 2025 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (6.1%), बेंगलुरु (13.1%), चेन्नई (9.0%), दिल्ली (2.9%), हैदराबाद (4.8%), कोलकाता (9.6%), मुंबई (5.9%) और पुणे (6.8%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित

आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 45.8% (नवी मुंबई) की वृद्धि से लेकर 3.5% (हावड़ा) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

कवर किए गए 50 शहरों में से, 2 शहरों (हावड़ा और तिरुवनंतपुरम) में संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने जनवरी-मार्च 2025 में 1.9% का विस्तार दर्ज किया। सूचकांक सितंबर-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

सूचकांक में 50 शहरों में से 43 शहरों में क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें नवी मुंबई में 17.3% की उच्चतम क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, उसके बाद भुवनेश्वर (8.5%), गुरुग्राम (7.5%) और नोएडा (7.0%) का स्थान रहा, जबकि रायपुर में तिमाही के दौरान एचपीआई@आकलन मूल्य में 2.6% की अनुक्रमिक गिरावट दर्ज की गई।